शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
nbt.india

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 6 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950–2025

गुरुवार, 06 फरवरी, 2025

थीम मंडप में पुस्तकालयाध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा थीम मंडप में पुस्तकालयाध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव, प्रो. मनीष आर. जोशी ने कहा, "पुस्तकालय हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं।" उन्होंने विश्व पुस्तक मेले को महाकुंभ से जोड़ते हुए कहा कि "पुस्तकें ज्ञान का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रयागराज के आस्था के कुंभ की तरह यहाँ भी ज्ञान और पुस्तकों का एक कुंभ लगा है।" प्रो. जोशी ने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी पुस्तकों से दूर हट रही है, हमें इस 'परसेप्शन' को खत्म करना होगा। पुस्तकालयों को कैसे और अधिक एडवांस बनाया जा सकता है इस पर भी सोचने, काम करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि, भारतीय पुस्तकालय संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप राय ने हमारे पूर्व के विचारकों के इस विचार को उद्धृत किया कि पुस्तकालयाध्यक्ष शिक्षकों के शिक्षक होते हैं। नालंदा और तक्षशिला जैसे हमारे प्राचीन विश्वविद्यालयों ने हमारे लिए आधार तैयार किया है। पुस्तकालयों का उपयोग करने से ही पुस्तकालय समृद्ध होंगे।

इससे पूर्व, अपने स्वागत उद्‌बोधन में न्यास-अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने कहा कि पुस्तकालयाध्यक्ष इस पुस्तक महोत्सव का उपयोग अपने-अपने पुस्तकालयों को समृद्ध करने में करेंगे, ऐसी उम्मीद है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए न्यास के निदेशक, युवराज मलिक ने कहा कि पुस्तकालयाध्यक्ष समाज के शिल्पकार होते हैं, वे समाज की मानसिकता को गढ़ने का काम करते हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष सबसे बड़ा 'इन्फ्लुएंसर' भी होता है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में पुस्तकालयों की सुदीर्घ परंपरा की भी चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में, वक्ताओं के साथ श्रोताओं का परस्पर संवाद भी हुआ।

संदेश

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 01 फरवरी से 09 फरवरी 2025 तक 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' के 32वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है।

पुस्तकें ज्ञान के उस अनमोल खजाने की तरह होती हैं, जो हमें आत्मविकास और सोचने की नई क्षमता प्रदान करती हैं और जीवन को और अधिक अर्थपूर्ण बनाती हैं। ये न केवल हर विषय पर सूचनाएँ प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे दृष्टिकोण को भी विस्तृत करती हैं। पुस्तकें हमें नए विचारों, संस्कृतियों और जीवन के विविध अनुभवों से परिचित कराती हैं, जिससे हमारा व्यक्तित्व और दृष्टिकोण दोनों समृद्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त, ये मनोरंजन के एक अनमोल साधन के रूप में भी पाठकों को आकर्षित करती हैं और उन्हें एक नई दुनिया से परिचित कराती हैं।

देशभर के पुस्तक प्रेमियों और पाठकों को पुस्तकों से मिलाने में विश्व पुस्तक मेला महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। यह आयोजन न केवल पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों को एक मंच पर लाता है, बल्कि पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान, विचारों और संस्कृतियों का आदान-प्रदान भी करता है। यहाँ नई और मूल्यवान पुस्तकों की खोज के साथ-साथ साहित्यिक दुनिया के नवीनतम रुझानों से परिचित होने का अवसर मिलता है। यह मेला समाज में ज्ञान और पुस्तकों के महत्व को बढ़ावा देने का काम करता है, और लोगों को नए विचारों और विचारधाराओं से जोड़ते हुए ज्ञानार्जन के प्रति जागरूकता फैलाता आया है।

यह हर्ष का विषय है कि इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारत : गणतंत्र @75' पर केंद्रित है, जो निश्चित रूप से पुस्तकों के माध्यम से हमारे देश के गणतंत्र बनने से अब तक की यात्रा को प्रदर्शित करने और संविधान के मूल्यों को प्रसारित करने का काम करेगा। आशा है कि इस वर्ष के पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में सभी क्षेत्र एवं वर्ग के लोग इसमें सम्मिलित होंगे।

मैं 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' के आयोजक 'राष्ट्रीय पुस्तक न्यास' को इसके आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ तथा इसके 32वें संस्करण के सफल एवं उद्देश्यपूर्ण आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

ओम बिरला

(ओम बिरला)

थीम मंडप

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'भारतीय संविधान पर भारतीय सभ्यतागत मूल्यों का प्रतिबिंब' सत्र में अपने विचार रखते हुए प्रो. (डॉ.) संपदानंद मिश्रा ने कहा कि भारत की सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता है। भारत की शिक्षा भारतीय मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इस अवसर पर श्रीमती शशिप्रभा तिवारी ने कहा कि भारतीय संविधान 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की बात करता है। साथ ही भारतीय संविधान अहिंसा की उद्घोषणा भी करता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता शर्मा ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'पुस्तक लोकार्पण और संवाद सत्र' में लेखक साइमन मरे की पुस्तक 'नो बडी विल शूट यू इफ यू मेक देम लॉफ' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर डॉ. नवीन सिंह एवं रा.पु. न्यास के निदेशक युवराज मलिक उपस्थित थे। अपनी किताब के विषय में बताते हुए साइमन मरे ने कहा कि "इस पुस्तक में उनके जीवन के संघर्षों की कहानी है। इंसान को कभी भी निराश नहीं होना चाहिए और निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।" कार्यक्रम का संचालन जया भट्टाचार्य ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'भारत के संविधान पर सांस्कृतिक प्रतीक बासवन्ना का प्रभाव' सत्र में डी.आर.सी. सोमशेखर, डॉ. एम.एस. आशादेवी एवं शंकर महादेव विदारी ने भाग लिया। सोमशेखर ने कहा कि "बासवन्ना कर्नाटक के ही नहीं, अपितु पूरे विश्व के नायक हैं। इसके पश्चात् डॉ. आशादेवी एवं शंकर महादेव विदारी ने बासवन्ना द्वारा किये गए विभिन्न सामाजिक कार्यों पर अपने-अपने विचारों को कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'भारतीय संविधान के निर्माण में महिलाओं का योगदान : प्रथम स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर' पर चर्चा सत्र में दलजीत सिंह साही, डॉ. गुरभेज सिंह गुराया एवं ऋचिका त्यागी ने भाग लिया। इस अवसर पर दलजीत सिंह साही ने कहा कि राजकुमारी अमृत कौर ने अपना जीवन लोगों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के शिलान्यास में भी निर्णायक भूमिका निभाई। इस सत्र में वक्ताओं ने राजकुमारी अमृत कौर के विभिन्न कार्यों पर विचार व्यक्त किए।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'दर्द की गहराई, अहसास की ऊँचाइयाँ', सत्र में प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता आचार्य प्रशांत ने टेलीविजन एंकर चित्रा त्रिपाठी से संवाद किया। उन्होंने कहा कि "सनातन धर्म की दो शाखाएँ हैं—श्रुति और स्मृति। श्रुति शाखा के अंतर्गत वेद और वेदांत आते हैं, अन्य सभी ग्रंथ स्मृति शाखा में आते हैं।" उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए स्वयं संघर्ष करना पड़ेगा। अभिभावकों को अपने बच्चों में निःस्वार्थता के बीज डालने चाहिए और कर्म सिद्धांत पर बल देते हुए कहा कि मनुष्य को अपने कर्म के द्वारा सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

सर्वांतेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली ने 'फुटबॉल ऐन एस्पानोल' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला को डेविड सेरानो पुएंते ने प्रस्तुत किया। उन्होंने इस सत्र में लोगों को फुटबॉल खेल की गतिविधियों और प्रश्नों के माध्यम से बहुत ही आसान और मजेदार तरीके से स्पेनिश भाषा सिखाई।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया के द्वारा 'लिटरेचर एंड म्यूजियम : डायलॉग ऑर कॉन्फ्लिक्ट?' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र के वक्ता डिमिट्री बाक के वक्तव्य का मुख्य उद्देश्य रूस के साहित्य और साहित्यिक संग्रहालय के बारे में जानकारी देना था। इसके साथ ही, उन्होंने इन संग्रहालय के कलेक्शन, मिशन, मुख्य लक्ष्य, रणनीतिक दिशाएँ, साहित्यिक संग्रहालय और चित्रकला दीर्घाएँ, प्रदर्शनी परियोजनाओं और अनुसंधान प्रदर्शनियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया द्वारा 'ट्रैवेल विद अनास्तासिया स्त्रोकिना ऑन एटलस ऑफ मिस्टीरियस प्लेसेज ऑफ रशिया' पुस्तक पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र में अनुवादक और लेखिका अनास्तासिया ने रूस देश के कुछ ऐसे अनोखे जगहों के बारे में बताया, जिन्हें बेहद कम लोग जानते हैं। साथ ही अनास्तासिया ने ऐना के द्वारा भारतीय दर्शकों के लिए दिया गया वीडियो संदेश भी चलाया, जिसमें ऐना कहती हैं कि यह यात्रा उनके लिए बेहद रोमांचक रही। सभी लोगों को अपने जीवन में कम-से-कम एक बार ऐसी यात्रा अवश्य करनी चाहिए, जिसमें वे खुद को जान सकें।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत और आईबीएमसी, श्रीलंका के संयुक्त सहयोग से पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दो पुस्तकों—'सेनुदी का उपहार' (के.आर.एन. हर्षानी) और 'बिंदु का नया घर' (अरुणा कीर्ति गमेज) का राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम द्वारा लोकार्पण किया गया। इन पुस्तकों का अनुवाद कंचन वर्मा द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में वी.वी. पथमसीली (फॉरेन राइट्स डायरेक्टर आइबीएमसी) और राणा तुंगा (डायरेक्टर आइबीएमसी) की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही राष्ट्रीय पुस्तक न्यास में हिंदी संपादक दीपक कुमार गुप्ता ने दोनों बाल पुस्तकों का वाचन किया।

बाल मंडप

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा किड्ज किंगडम में बच्चों के लिए कथावाचन सत्र आयोजित किया गया। इसमें जानी-मानी लेखिका अनिता भटनागर जैन ने 'अ विजिट टू कुंभ' कहानी सुनाई। कहानी में कुंभ मेले की अद्भुत परंपराओं, उसकी भव्यता और भारतीय संस्कृति के महत्व को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बच्चों से कुंभ मेले से जुड़े कई रोचक तथ्य और अनुभव साझा किए। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में बच्चों ने कहानी और कुंभ मेले से जुड़े सवाल पूछे। लेखिका ने उनके सवालों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। बच्चों को उनकी भागीदारी के लिए किताबें पुरस्कार स्वरूप दी गईं।

'मीट द मैथ मेंटलिस्ट' में राहुल सिंह ने बच्चों को रोमांचक तरीके से गणित के ट्रिक्स बच्चों को समझाए। उन्होंने बच्चों को मैथ मेंटलिस्ट बनने के लिए प्रोत्साहित किया। राहुल ने बच्चों को अपनी मैथ आर्मी से जुड़ने का प्रस्ताव दिया।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित बाल फिल्म स्क्रीनिंग में बच्चों को 'बेन10', 'लिटिल सिंघम' 'आग और पानी की टक्कर' एवं 'केटीबी भारत हैं हम' फिल्में दिखाई गईं। इन फिल्मों ने न केवल बच्चों का मनोरंजन किया, बल्कि उन्हें साहस, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों से भी परिचित कराया।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा आयोजित 'टीटू'ज क्रिकेट कलरिंग कॉम्पिटिशन' में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने कागज पर खूबसूरत रंगों से क्रिकेट के दृश्यों को सजाया। बच्चों की कला ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और उनके क्रिएटिविटी को सराहा गया।

एकलव्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'बारह सौ की बाती' एवं अन्य पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस दौरान बच्चों को इस पुस्तक से एक दिलचस्प कहानी 'सोनी जी की साइकिल' सुनाई गई। पुस्तक के लेखक शिवनारायण गौड़ ने बच्चों के सवालों के जवाब दिए।

स्कॉलास्टिक द्वारा 'इन कन्वर्सेशन विद स्टूडेंट ऑथर्स' शीर्षक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें युवा लेखकों ने अपनी लेखन यात्रा और व्यक्तिगत प्रेरणाओं पर चर्चा की। इस सत्र में लेखकों—लुमजिंग, दीया गुप्ता, नंदिनी महेश्वरी और रिया ने अपनी लेखन यात्रा को साझा किया और अपनी कहानियों के प्रेरणा स्रोत बताए। नंदिनी महेश्वरी और लुमजिंग ने जापानी संस्कृति पर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने इस सांस्कृतिक पहलू से प्रेरित होकर लेखन की ओर कदम बढ़ाया। "संस्कृति ने मुझे आत्म-अन्वेषण और स्वाभाविकता के महत्व को समझने में मदद की। इससे मुझे अपनी कहानियों में गहरे मानवीय भावनाओं और प्रकृति के प्रति एक नये दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने की प्रेरणा मिली," नंदिनी माहेश्वरी ने कहा। वहीं, लुमजिंग ने भी अपनी रचनाओं में जापानी संस्कृति के प्रभाव को महसूस किया। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी कहानियों में जापानी समाज की विविधता और उसकी गहरी परंपराओं का समावेश किया है। इसने मुझे अपने लेखन के माध्यम से अपनी पहचान को समझने का अवसर दिया।" दीया गुप्ता ने अपने लेखन में संघर्ष और समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया, जबकि रिया ने लेखन को अपनी आत्म-अभिव्यक्ति का सबसे शक्तिशाली रूप बताया।

इमेज-ई-नेशन क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने भारत की भव्यता को सवालों के माध्यम से जाना और समझा। इसके पश्चात बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कार वितरण भी किया गया।

डॉग मैन कार्टून द्वारा आयोजित 'अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए' सत्र में बच्चों ने प्रसिद्ध कार्टून चरित्र डॉग मैन से मुलाकात की। बच्चों ने डॉग मैन के बारे में कई मजेदार बातें जानीं और उनके साथ संवाद भी किया। इस आयोजन ने बच्चों को न केवल कार्टून के आकर्षक संसार से जोड़ा, बल्कि उनकी कल्पनाशक्ति को भी प्रोत्साहित किया।

पुस्तक मेले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि का आगमन

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के चौथे दिन तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के आगमन से पाठकों और प्रकाशकों को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने 'भारत : गणतंत्र @75' की थीम पर आधारित थीम मंडप का अवलोकन किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंडप में फोकस देश रूसी संघ के मंडप 'रूस से आईं पुस्तकें' को भी देखा और सराहा। बाल मंडप की रंग-बिरंगी छवि ने उन्हें आकर्षित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे और न्यास-निदेशक युवराज मलिक ने उन्हें स्मृति चिह्न स्वरूप पुस्तकें भेंट कीं।

नई दिल्ली राइट्स टेबल

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के एक हिस्से के रूप में नई दिल्ली राइट्स टेबल (एनडीआरडीटी) के आयोजन का शुभारंभ 3 फरवरी 2025 को हुआ। इस आयोजन का दूसरा दिन 4 फरवरी, 2025 भी काफी शानदार रहा। इस आयोजन में ड्रीमलैंड प्रकाशन से आईं मनीषा ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह राइट्स टेबल के माध्यम से व्यावसायिक रूप से काफी लोगों से मिलीं और यह उनके लिए काफी उपयोगी रहा। इसके अतिरिक्त, मदुरई से आये साथ्या पब्लिशर्स के चेयरमैन एवं एमडी डॉ. एन. मुर्गेश ने कहा, "यह नए प्रकाशकों के लिए प्रोत्साहनपूर्ण कार्यक्रम रहा। यह कार्यक्रम प्रकाशकों की काफी मदद करेगा।"

साहित्यिक गतिविधियाँ

प्रभात प्रकाशन द्वारा ऋषिराज की चित्रात्मक कहानी की पुस्तकों का लोकार्पण स्कूल के बच्चों के हाथों कराया गया। इसमें कारगिल के युद्ध में शहीद हुए 14 वीरों के जीवन पर आधारित 14 पुस्तकों को शामिल किया गया। ये पुस्तकें हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखी गई हैं। इस कार्यक्रम में ऋषिराज ने अपनी पुस्तकों के बारे में जानकारी देते हुए वीरों की कहानियाँ सुनाई। उन्होंने कहा कि अगर उनकी कहानियों से प्रेरित होकर कोई भी बच्चा अगर कैप्टन विक्रम बत्रा और मनोज पांडे जैसा बनने की सोचता भी है तो हम अपने इस प्रयास को सफल मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने वीरों को हमेशा याद करना चाहिए, केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को नहीं। प्रभात प्रकाशन द्वारा ओ.पी. सिंह की पुस्तक '**खाकी इन एक्शन**' का भी लोकार्पण किया गया। इस दौरान पुस्तक के लेखक और पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री सिंह ने अपने कार्यकाल के किस्से सुनाए। उन्होंने कुंभ में अपने काम और वर्ष 2015 में नेपाल में आए भूकंप के दौरान एन. डी. आर. एफ. के कार्यों की भी चर्चा की।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा 'उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत' पुस्तक पर परिचर्चा की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत लोकगायक भुवन रावत ने उत्तराखंड के मंगल गीत गाकर किया। इस पुस्तक के लेखक डॉ. बिहारीलाल जलंधरी ने अपनी किताब के बारे में बताया और उत्तराखंड के लोकगाथाओं को भी सुनाया। उन्होंने प्रदेश में गौण हो रहे लोकगीतों और संस्कृति के बारे में चिंता जताई। इस मौके पर कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं में पुस्तक की संपादक लक्ष्मी रावत और प्रो. के. अनिल कुमार ने भी अपना वक्तव्य रखा। इसके बाद 'फ्लेयर्स एंड ग्लेयर्स' के सहयोग से डॉ. सोनिया सिंह की पुस्तक 'देवी' का लोकार्पण किया गया।

अनुराधा प्रकाशन द्वारा वंदना गर्ग की पुस्तक 'रिफ्यूजियों की लड़की' पुस्तक का लोकार्पण किया गया तथा उस पर चर्चा की गई। पुस्तक की लेखिका वंदना गर्ग बताती हैं कि इस कहानी के माध्यम से उन्होंने रिफ्यूजियों की समस्या को प्रस्तुत करने की कोशिश की है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा पद्मश्री रामदरश मिश्र की पुस्तक 'हम हो गए स्वयं खुशबूघर' तथा ओम निश्चल की रामदरश मिश्र पर केंद्रित दो पुस्तकें 'मैं आषाढ़ का पहला बादल' (संस्मरणालोचन) और 'समय जल-सा'(काव्य संग्रह) का लोकार्पण किया गया और उन पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मिश्र जी ने अपनी एक गजल पढ़ी। डॉ. ओम निश्चल ने कहा कि रामदरश जी को जितना पढ़ा जाए, वे उतने ही नये लगते हैं। ममता कालिया ने कहा कि मिश्र जी की भाषा में, छंद में आज भी ताजगी है। डॉ. सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि मिश्र जी की कविताओं में शहरी संवेदनाओं में व्याप्त सूखेपन की झलकियाँ दिखाई पड़ती हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और राष्ट्रीय उर्दू विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मुशायरे का आयोजन किया गया, जिसका संचालन कर रहे मोइन शादाब ने कहा कि

जो कौम किताबों से इश्क नहीं करती वो पीछे छूट जाती है। इस मुशायरे में आलोक यादव, डॉ. नुसरत मेहदी, पॉपुलर मेरठी, इकबाल अशहर,चंद्रभान ख्याल ने अपने चुनिंदा शेरों से खूब समा बाँधा और गजलें भी सुनाई। इस चर्चा के द्वारा नई पीढ़ी को किताब और उर्दू के प्रसार को बढ़ाने की बात कही गई।

क्लेवर फॉक्स पब्लिशिंग प्रा.लि. द्वारा रंजन महापात्र और कुशल कुलकर्णी की पुस्तक 'द अनस्टॉपेबल : चैलेंजेज ऑफ अ ब्लाइंड पर्सन इन लाइफ' का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुशल कुलकर्णी ने बताया, "किस प्रकार दृष्टिबाधित होने के

कारण उन्हें कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।" उन्होंने अपने वक्तव्य में तकनीकी क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों से दृष्टिबाधित लोगों के लिए काम करने की अपील की। इस कार्यक्रम का संचालन श्वेता डे ने किया।

एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'बुक वॉयजेज : डिस्कसिंग जर्नीज फ्रॉम पेज टू स्क्रीन' पर चर्चा आयोजित की गई। चर्चा के दौरान पुनीत सिक्का ने अगाथा क्रिस्टी के उपन्यास 'मर्डर ऑन ओरिएंट एक्सप्रेस' का उदाहरण देते बताया कि किस प्रकार स्क्रीन के लिए कहानियों का रूपांतरण किया जाता है। गौतम चिंतामणि ने कहा, "किसी भी पुस्तक का फिल्म रूपांतरण निर्देशक की रचनात्मकता पर निर्भर करता है।" इस कार्यक्रम में आशुतोष जायसवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन मुर्तजा अली खान ने किया।

माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'थ्रिल एंड माइथोलॉजी : डू दे गो हैंड टू हैंड' पर चर्चा आयोजित की गई। कोरल दासगुप्ता ने अपनी पुस्तक 'सती सीरीज', 'पंच कन्या' पर चर्चा की। शालिनी मोदी ने कहा कि वह श्रीकृष्ण गोपियों के संवाद में शृंगार रस की बजाय हास्य रस देखती हैं। प्रियंका कैंथुरिया ने अपनी पुस्तक 'महादेवी' पर चर्चा करते हुए कहा कि "उन्होंने अपनी किताब लिखते समय प्राचीन और वर्तमान संदर्भों का मिश्रण किया है।" इस कार्यक्रम में केविन मिस्सल उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन केना श्री ने किया।

बुकलवर पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रितिका धनखड़ की पुस्तक 'सेल्स टू इकोसिस्टम : द साइंस ऑफ लाइफ रिवील्ड विजार्ड ऑफ बायोलॉजी' का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. भूषण कथुरिया की पुस्तक 'रेजिलेंस व्हिस्पर्स' और तुलनाहीना की पुस्तक 'द हार्ट ऑफ द ब्रेन' का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुणिमा गुप्ता ने कहा कि "किसी पुस्तक के बारे में उसके लेखक से बात करने से हमें पुस्तक के बारे में रोचक जानकारी मिलती हैं।"

ऑथर्स इंक पब्लिकेशन और एफओएफ के संयुक्त तत्वावधान में 'इवोल्यूशन ऑफ लिटरेरी जॉनर्स' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अंशुल गुप्ता, प्रियंका मोहंती, डॉ. कोमल मलिक और मिनीलाल उपस्थित थे।

अग्रवाल पब्लिकेशंस द्वारा राजीव अग्रवाल की पुस्तक 'टेम्पल टूर-4 वॉल्यूम' का लोकार्पण हुआ, जिसमें लेखक ने कहा, "इस देश के कण-कण में देवभूमि है।" इस कार्यक्रम में अशोक माहेश्वरी और देवराज उपस्थित थे।

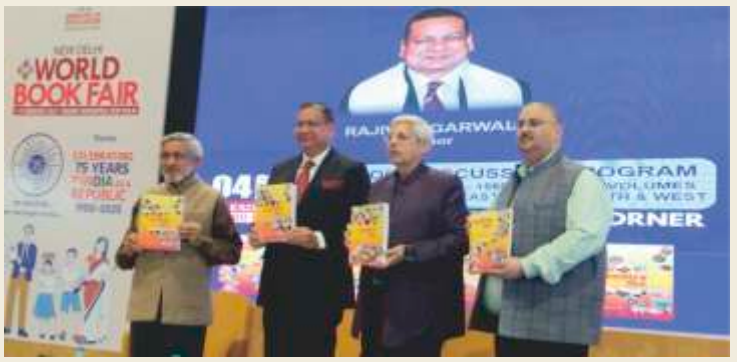

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक मंच पर कलाकार दोस्त अरोड़ा ने वन मैन ऑर्केस्ट्रा के रूप में कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। बारी-बारी से सभी वाद्य यंत्र बजाते हुए कई फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी। दर्शकों ने उनके गाने पर साथ-साथ करतल ध्वनि करते हुए गीत की धुन पर झूम-झूम कर आनंद उठाया।

गुरुवार, दिनांक 06 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
11:00-11:50	'कंटेंपरेरी इंडियन लिटरेचर : ए प्रेजेंटेशन'; *प्रस्तुति* : हिंद अल मश्मौम	यूएई
12:00-12:50	स्टोरीज आर द सोल ऑफ कंटेंट : अ प्रेजेंटेशन बाई मोहम्मद बालो; अहमद अल-रिदिनी (*संचालन*)	लिटरेचर पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब
02:00-02:50	इमेजिज ऑफ बड्र्स इन रशियन पोएट्री : अ लेक्चर बाई पोएट वैसिली नेटसेनटोव	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
03:00-03:50	बोर्गेस, अ 20th सेंचुरी राइटर : अ लिगेसी एक्रॉस जियोग्राफी एंड हिस्ट्री; *वक्ता* : मार्सेलो जियोफ्री एंड ओसवाल्डो फेरारी	एंबेसी ऑफ अर्जेंटीना एंड इंस्टिट्यूटो सर्वांतेस, नई दिल्ली
04:00-04:50	कल्चरल डे ऑफ ईरान एंड लॉन्च ऑफ ट्रांसलेटेड वर्क्स; *वक्ता* : डॉ. इराज इलाही, डॉ. फरीद अल-दिन फरीद अस्र, डॉ. अयूब देहगान कर, डॉ. इब्राहिम हैदरी, मुस्तफा मस्तूरी; हुसैन बहरामी (*संचालन*)	ईरान बुक एंड लिटरेचर हाऊस
05:00-05:50	महेश दर्पण की पुस्तक 'पुश्किन के देश में' का लोकार्पण एवं चर्चा; अनिल जनविजय	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
06:00-06:50	ऑथर'स मीट विद पोएट एंड ट्रांसलेटर अनिल जनविजय; इगोर सिद (*संचालन*)	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
07:00-07:50	एन इंटरेक्शन बिटवीन रशियन राइटर्स विद इंडियन राइटर्स : सर्गेइ शार्गुनोव, अन्ना शिपिलोवा; लीलाधर मंडलोई, इंद्रजीत सिंह	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	नवीन सिंह की पुस्तक 'अनहैड द फ्यूचर ऑफ डेटा सिक्यूरिटी' का लोकार्पण	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
12:00-12:45	'ओडिशा एंड द कॉन्सटिटुऐंट असेंबली : ए लुक-बैक' *वक्ता* : प्रो. जितेंद्र नारायण दास, प्रो. सुधीर चंद्र जेना; प्रो. सुमन्यु सत्पथी (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
01:00-01:45	'राजभाषा हिंदी, अनुप्रयोग के विभिन्न आयाम'; *वक्ता* : डॉ. संजय द्विवेदी, सुभाष चंद्र, बालेंदु शर्मा दाधीच, अलका सिन्हा	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
02:00-02:45	बियोंड डायमंड्स : दि इंटरवोवेन पाथ्स ऑफ किनशिप एवं कॉमर्स; *वक्ता* : श्री गोविंद ढोलकिया, दीपाली वशिष्ठ	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
03:00-03:45	शेख फैज़ल बिन कासिम अल थानी की पुस्तक का लोकार्पण	कतर
05:00-05:45	'मो देशा मो संग्राम' पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा; *मुख्य अतिथि* : प्रो. किशोर के बासा; *वक्ता* : बिजय कुमार नायक, प्रो. बिजयानंद सिंह	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
06:00-06:45	ए थाउजेंड थ्रेड्स : वीविंग दि स्टोरी ऑफ भारत; *वक्ता* : डॉ. शशि थरूर, प्रियांशी शर्मा	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
07:00-07:45	'अखंड भारत के शिल्पी सरदार पटेल' विषय पर चर्चा; *वक्ता* : भाग्येश झा, गीता माणिक, भाग्येंद्र पटेल (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:00-10:40	कॅरियर पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम	एलेन
10:45-11:30	कथावाचन सत्र	जयश्री सेठी
11:35-12:20	सुंदर डाक टिकटों के साथ लिफाफा कला	मुस्कान गुप्ता
12:25-12:35	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्र से मिलिए	थिया स्टिल्टन एवं मि. वाटर
12:40-01:10	सुपरहीरो स्क्वाड : क्रिएट योर ओन हीरो	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
01:15-01:55	गंगा : द रिवर ऑफ लाइफ	संगीता अंगोम (वन्यजीव संस्थान, देहरादून)
02:00-02:45	स्कॉलास्टिक द्वारा माइंडफुल सत्र	गौरांग दर्शन दास
03:00-03-45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	स्कॉलास्टिक
04:15-06:15	बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग	एनसीसीएल

गुरुवार, दिनांक 06 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
10:00-10:45	'फेमिली बिजनेस में सफलता', लेखक अजय शर्मा	प्रभात प्रकाशन FoF
11:00-11:45	भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध एवं राष्ट्रीय एकात्मता	केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली
12:00-12:45	'इनटू द क्लाइडोस्कोप ऑफ वर्सेज रेपेटियर ऑफ पोयम्स' *लेखिका*– रूपाली मिस्त्री; 'समय के दर्पण में' *लेखिका*–डॉ. मीनल; 'ब्रॉउन गर्ल इन द रेन' *लेखिका*–इंद्राणी चौधरी; 'वो रंग प्यार के थे' *लेखक*–मनोज कृष्णन	एशियन लिटरेरी सोसायटी, FoF
01:00-1:45	'एशियन लिटरेरी सोसायटीज ग्रुप पोएट्री मीट'; *वक्ता* : नीति पारती, डॉ. मीनल, सीमा श्रीवास्तव, मनोज कृष्णन, शिवप्रिया	एशियन लिटरेरी सोसायटी, FoF
02:00-02:45	साहित्यिक कार्यक्रम	खुसरो फाउंडेशन
03:00-03:45	'फिर आए राम अयोध्या में' पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता* : शकुंतला कालरा, सूर्यनाथ सिंह, प्रेमपाल शर्मा, प्रकाश मनु, नरेंद्र कुमार वर्मा	डायमंड पॉकेट बुक्स प्रा.लि.
04:00-04:45	मुकुल कुमार की पुस्तक 'आरोही' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
05:00-05:45	'कंप्यूटर एक परिचय', *लेखक*–संतोष चौबे	आईसेक्ट पब्लिकेशन
06:00-06:45	हर्ष कुमार की पुस्तक 'जनादेश 2024 हिंदुत्व की हैट्रिक' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
07:00-07:45	पुस्तक 'तकनीकी शब्दावली निर्माण के सिद्धांत' का लोकार्पण	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
08:00-08:45	साहित्यिक कार्यक्रम	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
10:00-10:45	पुस्तक 'रोल ऑफ लिटरेचर इन ट्रांसफॉर्मिंग द सोसायटी' का लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता* : संग्राम मिश्रा, प्रदीप सिंह खरोला	संग्राम मिश्रा (IAS) सेवानिवृत्त
11:00-11:45	'वैदिक गणित' पर चर्चा	डॉ. योगेश चंदना
12:00-12:45	'कैस्केड्स ऑफ मेल : द मेल-ओडीज़ ऑफ हैप्पीनेस' का लोकार्पण और चर्चा; *वक्ता* : एशल बिंद्रा और द्रुआ	एस.एल. बिंद्रा
01:00-01:45	'द आर्ट ऑफ स्टोरी टेलिंग : फ्रॉम कॉन्सेप्ट टू कंप्लीशन'; *वक्ता* : रोहित नारंग, मीनाक्षी कुमार, राज अभिषेक सिंह, सुजाता तातेर; आशीष दत्ता *(संचालन)*	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
02:00-02:45	पठन संस्कृति को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका पर चर्चा; *वक्ता* : सिद्धार्थ माहेश्वरी, एस.पी. मिट्सन, मनु जोसेफ, मुकुल कुंद्रा, शेफाली राठौर, आदित्य	पेपर टाउंस पब्लिकेशंस
03:00-03:45	'ब्रिजिंग हिस्ट्रीज : प्लेस इन इंडिया'ज नेशनल स्टोरी'; *वक्ता* : दिलीप डिसूजा, म्होनलुमो किकोन, रीता चौधरी, सुमंत्र बोस, कर्मा पलजोर (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
04:00-04:45	'द हिल्स आर अलाइव विद द साउंड ऑफ म्यूजिक : डॉक्यूमेंटिंग म्यूजिक इन द रीजन'; *वक्ता* : अमाबेल सुसंगी, मित्रा फुकन, सेबंती चटर्जी, मैरी थेरेसे कुरकलांग (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
05:00-05:45	'द अदर स्टोरीज'; *वक्ता* : बनमल्लिका चौधरी, निरंजन कुंवर, शांता खुरई, अनीश गवांडे (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
06:00-06:45	'समटाइम्स वर्ड्स कांट से इट ऑल : विजुअल स्टोरीज़ फ्रॉम द नॉर्थईस्ट; *वक्ता* : अन्ना सिरेलौ, मेरेन इमचेन एंड अर्कोटोंग लोंगकुमर, पेरिस्मिता सिंह, पेमा वांगचुक, जूलिया ट्रॉइलौड (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
07:00-07:45	डॉ. अजय कश्यप की पुस्तक 'ऑन द क्वेस्ट ऑफ सुश्रुत : द एंड ऑफ डेथ' पर चर्चा	गरुड़ प्रकाशन
08:00-08:45	दीपा मलिक द्वारा ग्रुप डिस्कशन	हार्पर कॉलिंस
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
03:00-04:00	इकोज़ ऑफ द माउंटेन्स	रिपब्लिक ऑफ दगेस्तान, रशिया
05:00-06:30	रैपर बिग डील	रा.पु. न्यास
06:30 बजे से	डांसेज ऑफ इंडिया	जेनिथ डांस ट्रूप

मेला वार्ता
गुरुवार, 06 फरवरी, 2025

INDIA RUSSIA
रूस से आईं किताबें

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 11 से सायं 8 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2

लेखक मंच

हॉल संख्या 2 और 3

हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक

हॉल संख्या 3 (मेजानिन)

नई दिल्ली राइट्स टेबल

हॉल संख्या 4

विदेशी मंडप
ऑथर्स लाउंज — इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर
विदेशी भागीदार (प्रदर्शनी) — डिजिटल अनुभव क्षेत्र

हॉल संख्या 5

थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75) — सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)
ऑथर्स कॉर्नर

हॉल संख्या 6

बाल मंडप — बाल प्रकाशक
टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स — डिजिटल अनुभव क्षेत्र
दर्शन और अध्यात्म, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

एंफीथिएटर 1

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास) : निःशुल्क शटल सेवा उपलब्ध
गेट नं 4 (भैरो मार्ग), गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है।
इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (स्कूल यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. **रेड लाइन** : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम।
2. **ब्ल्यू लाइन** : कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका।
3. **येलो लाइन** : विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक।
4. **वॉयलेट लाइन** : आईटीओ।
5. **ग्रीन लाइन** : मुंडका।
6. **पिंक लाइन** : आईएनए।
7. **मैजेंटा लाइन** : हौजखास।

आवश्यक सूचना

दिनांक 06-09 फरवरी, 2025 तक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला का समय आंशिक संशोधन के साथ सुबह 10:00 बजे से रात्रि के 09:00 बजे तक कर दिया गया है।

दिल्ली राज्य के विधानसभा चुनाव के कारण 05 फरवरी, 2025 को 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन नहीं हुआ। अतः 05 फरवरी को 'मेला वार्ता' का अंक प्रकाशित नहीं किया जा सका।

भाषावार प्रकाशक

• 1. हिंदी : 153 • 2. उर्दू : 20 • 3. संस्कृत : 4 • 4. मलयालम : 2 • 5. पंजाबी : 6 • 6. तमिल : 1
• 7. बांग्ला : 3 • 8. अंग्रेजी : 337 • 9. सिंधी : 2 • 10. मैथिली : 2 • 11. ओड़िया : 4

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/ | LinkedIn https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
YouTube https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/ | https://www.kooapp.com/profile/nbtindia | अधिक जानकारी के लिए www.nbtindia.gov.in पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री मेला वार्ता के हॉल संख्या 6 के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा
टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

nbt.india

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।